need to ensure implementation of the prohibition policy, he suggested that Ministers should do so by personnal example and exercise their influence on others to fall in line.

**Bus service between Gautam Puri and Central Secretariat**

464. SHRI GOVINDA MUNDA: Will the Minister of SHIPPING AND TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether there is great inconvenience in getting buses for conveyance to the residents of densely populated Gautam Puri, a trans-Yamuna colony in Shahdara, Delhi and no buses are available for the Central Secretariat and the Railway Station from there;

(b) whether DTC employees had asked for introducing new buses in this area during emergency;

(c) whether Government propose to introduce buses from Gautam Puri to Central Secretariat via Gandhi Nagar near Ring Road Chungi and ITO and the details thereof; and

(d) if so, by what time and if not, the main reasons therefor and why Government have not paid attention to it so far?

THE MINISTER OF STATE IN CHARGE OF THE MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI CHAND RAM): (a) No, Sir. Buses are available for the residents of the Colony from the main motorable road.

(b) No, Sir.

(c) No, Sir.

(d) There is no motorable approach road connecting Gautam Puri with the main road.

**Capacity utilisation by M/s Mohan Ortmann**

465. DR. LAXMINARAYAN PANDEYA: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) to what extent Mohan Ortmann has utilised its licensed capacity; and

(b) whether they have produced machinery for dairy and juices?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRIMATI ABHA MAITI): (a) Messrs. Mohan Ortmann are licensed for the manufacture of complete automatic bottling plants (including bottle washers, filler, intermix and accessories) for soft drinks, beer, milk, fruit juices etc. upto a capacity of 25 Nos. for a value of Rs. 615 lakhs per annum. The unit commenced production only in November, 1977 and during the period from November, 1977 to May, 1978 it has achieved production of a value of Rs. 31.17 lakhs only. As this project is in the initial stage, it will take some time before its production reaches the licensed capacity.

(b) No, Sir.

**एच० एम० टी० घड़ियों का उत्पादन, बिक्री और शिकायतें**

466. **श्री अनन्तराम जायसवाल**: क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या एच० एम० टी० घड़ियों की मांग प्रति वर्ष बढ़ती जा रही है और उचित तकनीकी के अभाव में बिक्री के पश्चात् इन घड़ियों के शीघ्र ही बिगड़ने की शिकायतों में भी वृद्धि हो रही है;

(ख) यदि हां, तो वर्ष 1977-78 के दौरान भिन्न-भिन्न प्रकार की घड़ियों का उत्पादन कितना-कितना हुआ और हिन्दुस्तान मशीन टूल्स को गारंटी अवधि के दौरान घड़ियों के बिगड़ने की कितनी शिकायतें प्राप्त हुई ;

(ग) क्या बिगड़ी हुई घड़ियों को सुधारने के लिये बंगलौर भेजा जाता हैं और ग्राहक को यह 20-25 दिन बाद ही वापस दी जाती है ; और

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार इस प्रस्ताव पर विचार करेगी कि ग्राहकों की बिक्री के बाद शिकायतों को शीघ्र निपटाने की सुविधा प्रदान की जाये ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्रीमती आभा मैती) : (क) जी, हिमट्रू घड़ियों की मांग हर साल बढ़ती जा रही है । कार्य कुशलता का स्तर बनाये रखा गया है । हिमट्रू घड़ियों में खराबी की शिकायतों की संख्या बिक्री के 1 प्रतिशत से भी कम है तथा शिकायतों का प्रतिशत बढ़ा नहीं है ।

(ख) वांछित सूचना नीचे दी गई है :—

| घड़ियों की किस्म | उत्पादन संख्या | बिक्री संख्या | खराबी की शिकायतें संख्या | प्रतिशत |
|---|---|---|---|---|
| हाथ से चाबी दी जाने वाली . | 17,28,387 | 16,33,768 | | |
| स्वचालित . . . | 1,38,707 | 1,64,452 | | |
| | 18,67,094 | 17,98,220 | 6,038 | 0.34 |

(ग) और (घ). हाथ से चाबी दी जाने वाली घड़ियों के मामले में, बिक्री के पश्चात् की सेवा सुविधाएं देश के कई भागों में पहले ही कायम की गई है तथा ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये इस में लगातार वृद्धि की जा रही है । केवल स्वचालित घड़ियों के मामले में, प्रारंभिक अवधि में, घड़ियों की मरम्मत के लिये बंगलौर भेजना पड़ता था तथा लगभग 20–25 दिन के पश्चात् ग्राहकों को लौटा दी जाती थी। देश के विभिन्न भागों में एच०एम०टी० के अपने 10 शो रूमों में तथा 6 प्राधिकृत एजेंटों के यहां सुविधाएं अब स्थापित कर दी गई हैं तथा स्वचालित घड़ियों की मरम्मत वे स्वयं करते हैं। इन सुविधाओं में और वृद्धि की जा रही है ।

**सिंहभूम जिले में नरवापहाड़ और भाटिन यूरेनियम खानों का बन्द होना**

46 7. **श्री शीतला प्रसाद वर्मा** : क्या परमाणु ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या बिहार में सिंहभूम जिले में नरवापहाड़ और भाटिन यूरेनियम खानों का कार्य आपातकाल के दौरान बन्द कर दिया गया था ;

(ख) क्या इन खानों को उत्पादन योग्य बनाने में करोड़ों रुपये खर्च किये गये लेकिन इनके बन्द होने से करोड़ों रुपयों का अपव्यय, आदिवासियों की बेरोजगारी और डा० साराभाई योजना के लिए अपेक्षित यूरेनियम की अत्यधिक कमी जैसी कई समस्यायें उत्पन्न हो गई हैं ;